खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से पक्का मकान पाकर खुजरो बाई प्रसन्न हुई

मण्डला। मण्डला जिले के ग्राम पंचायत जंतीपुर की निवासी खुजरो बाई बैगा प्रधानमंत्री जनमन योजना से पक्का भवन पाकर बहुत प्रसन्न है। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने उसके पक्के भवन में रहने के सपनों को साकार कर दिया है। खुजरो बाई बैगा ने बताया कि वह गरीब परिवार से है, और कच्चे मकान में निवास करती थी। कच्चे मकान में रहने पर वर्षाकाल में उसे बहुत असुविधा होती थी, बारिश की वजह से उसका घर-गृहस्थी का सामान खराब हो जाता था। प्रत्येक वर्ष बारिश से पहले घर की मरम्मत में बहुत पैसा खर्च हो जाता था। उसने बताया कि वह मजदूरी करके अपना भरण-पोषण करती थी। गरीबी के कारण वह अपना पक्का मकान नही बना पा रही थी, पक्के मकान में रहना उसके लिए सपनों के समान था। खुजरो बाई ने बताया कि उसे ग्राम पंचायत के द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2023-24 में उसका नाम प्रधानमंत्री जनमन योजना की सूची में आ गया है। योजना के तहत उसे तीन किस्तो में कार्य की प्रगति के आधार पर राशि सीधे उसके खाते में दी गई और मजदूरी का भी भुगतान किया गया। उसने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना से उसका पक्का मकान का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है और वह इसमें निवास करने लगी है। खुजरो बाई ने बताया कि उसे शासन की अन्य योजना का भी लाभ मिल रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान कार्ड, विद्युत कनेक्शन, शौचालय, नल कनेक्शन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रमुख है। ग्राम जंतीपुर में खुजरो बाई शासन की इन योजनाओं का लाभ पाकर, शहरी जीवन जैसा महसूस कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना से बने पक्के मकान में रहने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मण्डला। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मण्डला ने बताया कि ग्राम पटपरा रैयत निवासी सुखराम नंदा की 17 फरवरी 2024 को पानी में डूबने से मुत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम वारसान के रूप में बिंदो बाई नंदा को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता की राशि स्वीकृत की गई है।

ज्ञानार्जन की कक्षाओं के लिये चयनित विद्यार्थी तथा पालकों से संवाद

पढ़ाई को तपस्या के रूप में स्वीकार करें

*** 15 जुलाई से प्रारंभ हो रहा सत्र।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के तहत संचालित होने वाली नीट तथा जेईई की कोचिंग कक्षाओं के लिये चयनित विद्यार्थी, पालक तथा शिक्षकों से संवाद करते हुये कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि लक्ष्य को पाने के लिये योजनाबद्ध प्रयास नितांत आवश्यक हैं। किसी भी क्षेत्र में की गई मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। जिंदगी को सफल बनाने के लिये मेहनत करने की आदत होना जरूरी है। उन्होंने कोचिंग के लिये चयनित विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे पढ़ाई को तपस्या के रूप में स्वीकार करें। कन्या परिसर सेमरखापा के ऑडीटोरियम में सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम में उप संचालक कान्हा पुनीत गोयल, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, प्रभारी सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग क्षमा सराफ सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के तहत कक्षाओं का संचालन 15 जुलाई से प्रारंभ होगा। इन कक्षाओं में विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य किया जाता है, ऑनलाईन वीडियो लेक्चर भी उपलब्ध रहते हैं। नियमित रूप से उपस्थित रहते हुये शिक्षकों तथा संसाधनों का बेहतर उपयोग करें। डॉ. सिडाना ने शिक्षकों से आव्हान किया कि वे स्वयं को अपडेट रखते हुये पूर्व की भॉति बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करें। इसी प्रकार उन्होंने पालकों से बच्चों कक्षाओं में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने की अपील की। इस अवसर पर उप संचालक कान्हा पुनीत गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा होना जरूरी है। प्रत्येक चीजों से सीखने का प्रयास करें। जब तक सही जबाव प्राप्त न हो प्रयास जारी रखें। बार बार रिवीजन करें। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने कहा कि किसी भी परीक्षा की तैयारी करते हुये उसके सिलेबस की जानकारी होना नितांत आवश्यक है। अध्ययन के लिये पुराने वर्षों के पेपर्स की सहायता लें। परीक्षा में पेपर को समय पर हल करने के लिये सतत अभ्यास जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अखिलेश उपाध्याय ने किया।

पुस्तकों से दोस्ती करें

कलेक्टर डॉ. सिडाना ने कहा कि किसी भी विषय वस्तु की अवधारणा को समझाने के लिये किताबों से अध्ययन करना जरूरी है। विद्यालय के पुस्तकालय में पर्याप्त मात्रा में स्तरीय किताबें उपलब्ध कराईं गईं हैं जो परीक्षा की तैयारी में मददगार साबित होंगी। सभी विद्यार्थी मोबाईल और टीवी आदि से स्वयं को दूर रखते हुये पुस्तकों से दोस्ती करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप आने वाले समय में और भी पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।

गलतियों से सीखते हुये आगे बढ़ें

कलेक्टर ने कहा कि ज्ञानार्जन की कक्षाओं में नियमित रूप से टेस्ट आयोजित किये जाते हैं, सभी विद्यार्थी इन टेस्ट परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से शामिल हों। टेस्ट से हमारी कमजोरियां सामने आती हैं और सुधार करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि टेस्ट के परिणाम का विश्लेषण करें, शंकाओं का समाधान प्राप्त करें तथा गलतियों से सीखते हुये आगे बढ़ें।

धरती माँ की रक्षा करने लगाए मां के नाम एक पेड़

*** श्री कल्याणेश्वर महादेव माँ रेवा आश्रम सिलपुरा में लगाए फलदार व छायादार पौधे।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

एक पेड़ मां के नाम भारत सरकार द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं मन की बात के 111 एपिसोड में प्रधानमंत्री ने लोगों से अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने कहा धरती भी माँ के समान हमारा ख्याल रखती हैं। धरती माँ हम सबके जीवन का आधार है, इसलिए हमारा भी कर्तव्य है कि, हम धरती माँ का भी ख्याल रखें। माँ के नाम पेड़ लगाने से अपनी माँ का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती माँ की भी रक्षा होगी। पतंजलि योग समिति मंडला के सदस्यों द्वारा अपने अपने माँ के नाम पर एक, एक फलदार और छायादार पेड़ श्री कल्याणेश्वर महादेव माँ रेवा आश्रम सिलपुरा में लगा कर इस अभियान का हिस्सा बनी। इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अभियान में आश्रम की माता साध्वी मनीषानंद, सुनील बाली रामगोपाल पटैल, केडी दुबे, श्याम श्रीवास, राकेश गुप्ता, अरविन्द ज्योतिषी, राजेंद्र उपाध्याय, एसपी जायसवाल, मुकेश चौरसिया एवं हमारे साथयो ने आयोजन में पूर्ण समर्पण एवं साधुभाव से भाग लिया।

पौधारोपण कर बताया उनके संरक्षण का महत्व

मण्डला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर मवई के ग्राम पंचायत देवरीदार में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण एक पेड़ अपनी माँ के नाम अंतर्गत किया गया। जिसमें आम एवं जामुन के पौधे लगाए गए। ग्राम के लोगों को पेड़, पौधे, वृक्षों के महत्व को समझाया। तीव्र गति से जंगलों के विनाश एवं पर्यावरण के संतुलन से अपने आने वाली पीढ़ी को क्या कठिनाइयों से गुजारनी पड़ेगी इस बिंदु पर ग्राम के लोगों को बताया गया। पेड़, पौधे लगाकर उनके संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। पौधारोपण के दौरान ग्राम के लोग एवं ग्राम पंचायत देवरीदादर उप सरपंच अमर सिंह धुर्वे उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य में नहीं हो रही साल बीज खरीदी, आयोग ने लिया संज्ञान में

*** प्रबंध सचांलक मप्र राज्य लघु वन उपज संघ भोपाल से तीन सप्ताह में मांगा जांच कर प्रतिवेदन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने विगत दिवसों के विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के आठ मामलों को संज्ञान लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। जिसमें 2 मामले मंडला जिले के भी शामिल हैं। आयोग ने संबंधितों से जवाब मांगा है।

जानकारी अनुसार मंडला जिले के दो मामले समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए थे। जिसमें प्रथम दृष्टया मानव अधिकार का उल्लंघन है। ऐसे मामले को संज्ञान में लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। इस बात की जानकारी कार्यालय प्रभारी मप्र मानव अधिकार आयोग मित्र, शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मंडला के वरूण विकास नीखर ने दी है।

मंडला जिले के दो मामलों में समर्थन मूल्य में साल बीज की नहीं हो रही खरीदी, बिचौलियों के पास बेचने मजबूर आदिवासी परिवार और दूसरा मामला साहब मैं जिंदा हूं... मृत बताकर योजना से किया वंचित खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। दूसरे मामला जिले के ग्राम पंचायत बकछेरागोंदी के ग्राम खलवाड़ी में एक जीवित व्यक्ति को सरकारी पोर्टल में मृत लिखने के कारण उसे सरकारी योजना का लाभ नहीं मिलने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक का कहना है कि मेरे जिंदा होने के बावजूद मुझे सरकारी पोर्टल में मृत बता दिया गया हैं और सरकारी योजना से वंचित कर दिया गया है। इस संबंध में पीड़ित युवक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई त्रुटि को सुधारने की गुहार लगाई है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने मंडला कलेक्टर से मामले की जांच कराकर की गई त्रुटि के सुधार एवं पीड़ित को नियमानुसार देय लाभ प्राप्ति के संबंध में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

बिचौलियें खरीद रहे साल बीज, समर्थन मूल्य नही हुआ शुरू

मानव अधिकार का उल्लंघन के मामले में मंडला में प्रकाशित खबर को मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान में लेकर जांच कराकर तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है। बताया गया कि मंडला जिले के वनांचल क्षेत्र मवई में विगत वर्षों से साल बीज की खरीदी समर्थन मूल्य पर नहीं की जा रही है। इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। बता दे कि मवई वनांचल में रहने वाले लोगों को बिचैलियों के पास साल बीज बेचनी पड़ रही हैं। जिससे उन्हे आर्थिक नुकसान हो रहा है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने प्रबंध सचांलक मप्र राज्य लघु वन उपज संघ भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी ने बलात्कार के फरार उद्घोषित आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 04 जून 2024 को चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी में पीडिता की रिपोर्ट पर से आरोपी घनश्याम सूर्यवंशी के विरूद्ध भारतीय दंड विधान की धारा 376, 376(2)एन एवं 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान फरार आरोपी जो घटना बाद सूचना दिनांक से ही लगातार फरार चल रहा था, पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार दबीश देकर पकड़ने के प्रयास किये जा रहें थे। आरोपी पुलिस से बचने के लिए अपना ठिकाना लगातार बदलकर चकमा दे रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मंडला श्री रजत सकलेचा द्वारा फरार आरोपी से संबंधित सुचना देने एवं गिरफ्तारी पर ईनाम की उद्घोषणा भी की गई थी। मामले में उद्घोषित ईंनामी आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम का गठन किया जाकर पुलिस टीम द्वारा आरोपी के संबंध में जानकारी एकत्र की गई, प्राप्त सूचना एवं तकनीकि जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी घनश्याम सूर्यवंशी पिता स्व शंकरलाल सूर्यवंशी निवासी मनेरी, थाना बीजाडांडी को गिरफ्तार कर आज दिनांक को माननीय न्यायालय में पेश किया हैं।

आरोपी की गिरफ्तारी में एसडीओपी निवास बी.एस. वलारे के निर्देशन में थाना प्रभारी बीजाडांडी निरीक्षक अंतिम पवार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मनेरी पुनीत वाजपेयी, सहायक उप निरीक्षक केएल धारने, प्रआर. नारायण, आर. अनुपम, आनंद कोरी, मुकेश, महिला आर. बीना जादौन, प्रियंका एवं सायबर सेल टीम की विशेष भूमिका रहीं।

निर्देश | **कोई भी गर्भवती महिला पंजीयन से नहीं छूटे।**

अनावश्यक रूप से रेफर नहीं करने के निर्देश

*** जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि दस्तक अभियान के दौरान प्रत्येक घर तक पहुंचते हुये 5 वर्ष के तक सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार उनके उपचार का प्रबंधन सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि जिला तथा विकासखण्ड स्तर के अधिकारी फील्ड विजिट करते हुये अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की मॉनीटरिंग करें।

कलेक्टर ने कहा कि दस्तक अभियान के तहत स्क्रीनिंग के दौरान बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाएं। सेम तथा मेम बच्चों के चिन्हांकन में पूरी सावधानी बरतें। सभी जानकारियां समय पर पोर्टल में अंकित करें। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित सेवाओं को प्रभावी बनायें। सिकल सेल एनीमिया की जॉच में लक्ष्य की पूर्ति करें। शिशुओं के टीकाकरण के लिये सत्र आयोजित करें। बैठक में कलेक्टर ने पल्स पोलियो आदि के संबंध में विस्तार से समीक्षा करते हुये आवश्यक निर्देश दिये। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई बैठक में सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

हाई रिस्क महिलाओं के चिन्हांकन में सावधानी बरतें

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की समीक्षा करते हुये कलेक्टर डॉ. सिडाना ने कहा कि ग्राम, वार्ड में सर्वे करते हुये सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन करें। कोई भी गर्भवती महिला पंजीयन से छूटना नहीं चाहिये। गर्भवती महिलाओं की निर्धारित समय पर जॉच करें। आवश्यक दवाईयां प्रदान करें तथा टीकाकरण की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क महिलाओं के चिन्हांकन में सावधानी बरतें। स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर बेहतर उपचार करें। अनावश्यक रूप से रेफर नहीं करें। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के आधार पर सर्वोच्च प्राथमिकता से रक्त प्रदान करें।

प्रबंधन पर फोकस करें

कलेक्टर डॉ. सिडाना ने कहा कि बारिश को मौसम को ध्यान में रखते हुये स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रबंधन पर फोकस करें। आपदा प्रबंधन की बेहतर तैयारी रखें। स्टोर की जॉच करते हुये डायरिया, सर्पदंश सहित सभी महत्वपूर्ण दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। पुख्ता कारण होने पर ही अवकाश स्वीकृत करें। यदि किसी क्षेत्र विशेष से लगातार मरीज आते हैं तो तत्काल जिला प्रशासन के संज्ञान में लायें। उन्होंने जल संरचनाओं में ब्लीचिंग आदि के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिये।

महर्षि विद्या मंदिर में चलाई जा रही ग्रीन विस्तार योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

स्थानीय महर्षि विद्या मंदिर में प्राचार्य डॉक्टर उपेंद्र शुक्ला द्वारा अंजू ग्रीन विस्तार योजना चलाई जा रही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश प्रवीण विश्वकर्मा एवं सुबोध की उपस्थिति में पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में जिला स्काउट एवं गाइड मण्डला की सहभागिता भी रही। भारत स्काउट एवं गाइड की ओर से आयुक्त डॉ संजय तिवारी डॉ रश्मि बाजपेई जिला अध्यक्ष अजय खोत, उपाध्यक्ष डॉ उपेंद्र शुक्ला, डॉ स्वल्पा बड़गैया एवं जिला सचिव दिनेश दुबे जी ने एक-एक पौधा लगाकर अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर मोंटफोर्ट स्कूल के प्राचार्य बीनू चेरियन एवं निर्मला स्कूल की प्राचार्या सिस्टर ललिता कुजूर ने भी पौधे लगाए। समाजसेवी नरेंद्र सिहारे श्रीमती अरुणा सिहारे एवं श्रीमती आरती तिवारी जी के साथ पौधा रोपण किया। आईडीबीआई बैंक के प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में स्काउट सदस्यों सहित विद्यालय के शिक्षकों जिनमे श्री विजयंत उपाध्याय, श्रीमती ममता शर्मा, विवेक चौदह,राघवेंद्र दुबे,वीरेंद्र कोष्टी सपना दुबे, सुरेंद्र यादव, सागर पटवा, नीरज शर्मा नीलेश पटेल, यशवंत बसोने, सुचिता तिवारी, एकता अग्रहरि नित्या दुबे,अंजू मिश्रा, साक्षी तिवारी, पंकज तिवारी, स्तुति दुबे, आकांक्षा ठाकुर, नेहा बाजपेई, प्रज्ञा भारद्वाज विवेक बघेल, शिवानी चतुर्वेदी राजा दलाई सर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉक्टर उपेंद्र शुक्ला द्वारा सभी आगंतुकों एवं पदाधिकारियों को जिले में चल रही योजना एक पेड़ माँ के नाम का के तहत एक-एक पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में सभी से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने की अपील की। विदित हो कि इस वर्ष महर्षि विद्या मंदिर मंडला में संस्थान अध्यक्ष डॉ गिरीश चंद्र वर्मा के नेतृत्व में 501 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसे विद्यालय अंजू ग्रीन विस्तार योजना के माध्यम से चलाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

चार पहिया वाहन की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम गांगई थाना चीचली निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस में अपने भाई नीरज चौरसिया और दोस्त पप्पू बर्मन के साथ तीनो मजदूरी करने के लिये मोटर साईकल पर बैठकर गाडरवारा से कौडिया जा रहे थें। जब हम लोग कौडिया नहर के पास पहुंचें तभी एक चार पहिया वाहन कार क्रमांक MP 04 CH 7968 का चालक तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपने वाहन को चलाते हुये लाया और हम लोगों को टक्कर मार दी गई जिसके चलते प्रार्थी सहित उसके साथी नीरज चौरासिया, पप्पू वर्मान व मलखान को चोटे आने पर पुलिस द्वारा आरोपी चार पहिया वाहन चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

रोड पर साइड नही देने की बात पर मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खैरी कामती निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह मोटरसाईकल से जा रहा था उसी समय गांव का राजेन्द्र कौरव ट्रेक्टर लेकर आया और मुझे रोककर बोला की तू बीच रोड मे मो.सा. क्यों चला रहा है तो प्रार्थी ने कहा कि मैं अपनी साईड से मोटर साईकल चला रहा हूँ इसी बात को लेकर ओोपी द्वारा मोटर साईकिल चालक के साथ गंदी गंदी गालिया देते प्लास्टिक के पाईप से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चार पहिया वानह की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस छिंदवाडा जिले के दमुआ निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह अपने पति के साथ चंद्रकेशर कालोनी में रहते है। बीते हुये दिवस जब उसका पति अंकुर बरहैया अपने किसी काम से छिपा तिरहा गया हुआ था उसी दौरान चार पहिया वाहन MP04CU3794 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपनी गाड़ी को चलाते हुये अंकुर बरहैया को टक्कर मार दी गई जिसके चलते चोटे आने पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

किराये के मकान की बात को लेकर गाडी तोड़ी

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के सुभाष वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा मकान 2 साल पहले गुड्डू उर्फ टीकाराम काछी को किराये से दिया था। जिसको लेकर विवाद चल रहा है। बीते हुये दिवस घर के बाहर कुछ आवाज सुनाई दी तभी मैने जाकर देखा देखा तो गुड्डू उर्फ टीकाराम काछी घर के नीचे खडा गंदी गंदी गालियां दे रहा था। जब मैने उसे गालिया देने से मना किया तो टीकाराम काछी ने हाथ मे रखे लोहे का पाईप से घर के सामने खडी मेरी गाडी नंबर MH49AA3151 में तोड़फोड करते हुये क्षति पहुंचाई तथा मुझसे बोला की आज तो तेरी गाडी तोडी है अगर तूने मुझसे दोबारा मकान खाली करने का बोला तो जान से खत्म कर दूंगा। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पत्नी के साथ मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम सीरेगांव निवासी एक महिला द्वारा अपनी पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा पति कौशल नौरिया शराब पीने आदि है जो आये दिन शराब पीकर झगड़ा विवाद करता रहता है। बीते हुये दिवस जब पति कौशल नौरिया मजदूरी करके घर वापस आया और घर आकर मुझे गंदी- गंदी गालियॉं देने लगा जो सुनने में बुरी लगी तब मैनें उसे गाली देने से मना किया तो मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई।

पंचायत अधीन निर्माणाधीन तालाब की जांच हुई तो उजागर हो सकती है चौकाने वाली सच्चाई...?

क्षेत्र की पंचायतों में बनाये गये तालाब सहित अमृत सरोवर डेम की गुणवत्ता को लेकर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत बदलने के लिये नई नई योजनाओं के माध्यम से पैसा खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। वही दूसरी ओर इस शासकीय राशि का पंचायातों में किस तरह उपयोग किया जा रहा है। इस सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी? वही दूसरी ओर पंचायतों के माध्यम से सरकारी धन की खेली जा रही होली को मीडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से सबालों को जन्म देने से नही चूक पा रही है। यदि पंचायतों के बीते हुये कार्याकाल से लेकर वर्तमान कार्यकाल की जांच कराई जावे तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी जहां पर गांव गांव बनाये गये तालाबों के नाम पर मात्र झुर्रयों को बांधकर पंचायतों द्वारा उन्हें सरोबर का नाम देते हुये लाखों की राशि के बिल लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। हालत इस तरह देखने मिल रही है कि मानों ऊपर से लेकर नीचे तक शासकीय धन की होली खलने में पूरी टीम चोर चोर मौसयाते भाई का संदेश देने में कोई कसर नही छोड़ रहो है...? क्योंकि जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को लाभ प्रदान करने की सोच रखते हुये पंचायती राज के कार्याकाल के दौरान अनेक प्रकार की योजनाओं के नाम पर मनमाना रूपया खर्च किया किया जा रहा है। मगर उन योजनाओं के तहत होने वाले निर्माण कार्यो में क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय धन की किस प्रकार से होली खेली गई है यह सच्चाई निश्चित तौर से गाडरवारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत आने पंचायतों में बनाये गये तालाब व डेमों के निर्माण कार्यो में आसानी से देखने मिल रही है? बताया जाता है कि जहां पर लाखों रूपया खर्च करते हुये गांवों के पुराने नालों व ऊबड खाबड़ जगहों में पड़त पड़ी हुई भूमि को चारों ओर से मिट्टी डालने की औपचारिकता पूर्ण करते हुये तालाब व डेमों का नाम देते हुये लाखों रूपया निकाले जा चुके है? वही दूसरी ओर बताया जाता है कि सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के तहत जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुछ ग्राम पंचायतों में बडे स्तर पर लाखों रूपया खर्च करते हुये तालाब व डेम बनाने का कार्य किया किया गया था। वह निश्चित ही गुणवत्ता को लेकर सबालों के घेरे में आने से नही चूक रहे है? कुछ इसी प्रकार का हाल इस समय चल रहे कार्यकाल में फिर दिखाई देना शुरू हो चुका है और कुछ पंचायतों के लिये तो अमृत सरोबर दुधारू गाय साबित होने से नही चूक रहे है। क्योंकि अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि पुराने नालों को बांधकर अमृत सरोबर का नाम देते हुये लाखों रूपया निकालने जा रहे है? यदि पूर्व में बनाये गये तालाब व डेमों से लेकर वर्तमान के अमृत सरोबरों की निष्ठा के साथ जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? क्योंकि निर्माण कार्य करने वाले एजेन्सी में अध्यक्ष के रूप में पंचायत का सरपंच व इंजीनियर प्रमुख होता है। इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के साधन उपलब्ध कराने की सोच को ध्यान में रखते हुये गांवों में पड़त पड़ी हुई शासकीय भूमि पर तालाब व डेम निर्माण कराने की शुरू आत की गई थी। तालाबों का निर्माण उस जगह होना था जहां पर बारिश का पानी आसानी से पहुंचते हुये उसमें रूक सके। वही डेमों को लेकर बताया जाता है कि इस प्रकार के नाले जिनमें बारह मास पानी रहता हो और डेम बनाते हुये उस पानी को रोका जावे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी सिंचाई करते हुये कृषि को लाभ का धंधा बना सके और गांव के पशुओं को पीने का पानी मिल सके। मगर देखने मिल रहा है कि इस योजना के तहत जहां तहां बनाये गये तालाब व डेमों में शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च तो वही है। मगर वहां पर आज भी भूमि पूर्व की तरह समतल ही नजर आ रही है तो दूसरी ओर सही मायने में देखा जावे तो यह योजना मात्र कागजों में भी संचालित होने से नही चूकी है। बताया जाता है कि जिस प्रकार से योजना के तहत क्षेत्र की पंचायतों में हुये तालाब व डेमों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सरकार की सोच पर ग्रहण लगने से नही चूकी है तो वही दूसरी ओर यह योजना क्षेत्र के सरपंचों के लिये एक मलाई दार साबित हुई है..? बताया जाता है कि इस योजना के तहत क्षेत्र की अनेक गांवों में जिस प्रकार से लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये तालाब व डेमों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। यदि उस निर्माण कार्यो की निष्ठा के साथ जांच होती है तो बडे स्तर पर गफलत बाजी की सच्चाई उजागर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जानकारी के अनुसार अनेक जगहों पर बनाये गये तालाब, डेमों से लेकर पंचायत के नये कार्यकाल के दौरान बनाये गये अमृत सरोबरों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जिन में बारिश एकत्र होने की संभावना ही नही की जा सकती है। वही दूसरी ओर यदि बारिश का पानी उन तालाबों में पहुंच भी जाता है तो उसके आसपास दीवार बनाने के लिये एकत्र की गई मिट्टी जारा सी बारिश में ही बह जावेगी? कुछ इसी प्रकार का हाल डेमों का देखने मिल रहा है जो वर्षो पुराने नालों पर मात्र दीवार खडी कराते हुये निर्माण कार्य की औपचारिकता निभा डाली है। इस प्रकार से जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर मिली भगत के चलते सभी माप दंडों का दर किनार करते हुये बनाये गये इन तालाब व डेमों के चलते आसपास के उन किसानों को भी क्षति पहुंचने से नही चूक रही है जिनके खेत इन तालाबों से लगे हुये है। क्योंकि बनाये गये तालाबों व डेमों की दीवारों का सही नाप तौल नही किये जाने का परिणाम है कि बारिश का पानी आसपास के किसानों के खेतों को क्षति पहुंचाने से नही चूकेगा। कुछ इसी प्रकार का हाल बारहाबड़ा क्षेत्र की पंचातयों में देखने मिल रहा है जहां पर बताया जाता है कि पंचायती राज के बीते हुये कार्यकाल के दौरान ग्राम पंचायत के अधीन बनाये जाने वाले तालाब के नाम पर राशि निकल चुकी थी। मगर तालाब का निर्माण कार्य आज भी अधूरा पड़ा है। कुछ इसी प्रकार की गति पर बीते हुये दो साल के कार्यकाल में नई पंचायों का देखने मिलने से नही चूक रा है? यदि इस तालाब की जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही बच पायेगी? इस तरह तालाब व डेम निर्माणों में हुई गफलत बाजी को लेकर बीते हुये वर्ष क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों द्वारा शिकायते भी हुई है? मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने के कारण इस प्रकार से शासन की योजना के नाम पर हो रही मनमानी पर अंकुश नही लग पाने के कारण जहां शासकीय राशि को खुलेआम दुरूपयोग हुआ है और होते हुये देखा जा रहा है.? वही दूसरी ओर क्षेत्र के अन्य किसानों को काफी क्षति का सामना करने के लिये भी मजबूर होते हुये देखा जा रहा है? इस प्रकार से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के नाम पर हुई गफलत बाजी को लेकर ग्रामीणजनों द्वारा जांच की मांग उठाई जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना में खर्च की जा रही राशि व निर्माण कार्यो की जांच की जाती है तो निश्चित तौर से बडे स्तर की गफलतबाजी उजागर होने से नही चूक पायेगी तथा इस योजना के नाम पर मलाई खाने वाले शासकीय अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों के चेहरे भी उजागर हो सकते है?

शहर में लगातार बढ़ रही अनेक रूप रंग व वेशभूषा वाले भिखारियों की भीड़ को लेकर पुलिस बनी अनजान

दिन भर नगर में भ्रमण करने के बाद शाम के वक्त यह लोग कहा रहते है किसी को नही पता ?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बाहरी लोग अपना डेरा जमाते हुए आये दिन किसी ने किसी कृत्य को अंजाम देते हुए देखे जा रहे है इस बात को लेकर लोगों में दहशत की स्थिति देखने मिल रही है? मगर इस बात को न तो पुलिस प्रशासन गंभीरता पूर्वक लेते हुए दिखाई पड़ रहा है और नही अन्य कोई समाजसेवी संस्थाओं द्वारा जिससे नगरवासी इन बाहरी लोगों की नगर में लगातार बढ़ रही फौज के चलते अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हुए दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो पूर्व के समय में पुलिस द्वारा चोरी सहित अन्य घटनाओं में पकड़े गये अनेक आरोपियों में बाहरी लोग ही शामिल थें जो दिन भर नगर में भ्रमण करते हुए रात को घटनाओं को अंजाम देने के बाद गायब हो जाते रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई पुनः नगर में दिखाई पड़ रही है जिसके चलते अनेक भेषों में जिस प्रकार से नगर की सड़को पर अनजान चेहरे दिखाई दे रहे है यदि उन लोगों के संबंध में सच्चाई का पता किया जावे तो यह जानकारी शायद ही पुलिस के पास भी उपलब्ध रहती हो? इस प्रकार से नगर में चारो ओर अनजान बाहरी लोगों के डेरे जमे हुए दिखाई देने वालों में आये दिन बढ़ोत्तरी होते दिखाई देने लगी है। मगर इसके बाद भी पुलिस प्रशासन अनजान बनना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो अनेक महिलाएं जहां नगर की सड़कों अपने मासूम बच्चों को लेकर भीख मांगते हुए देखी जा रही है उनके बारे में शायद ही किसी को इस बात का पता नही है कि आखिर में यह रहने वाली कहा की है और यहां पर भीख मांगने के लिए कैसे पहुंच रही है जो दिन भर नगर के भ्रमण करने के बाद रात के समय अचानक गायब हो जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर में भीख सहित अन्य कार्यो में लगे हुए किशोरों से लेकर मासूम बच्चों की दिखाई पड़ रहा है। जबकि यदि शहर क्षेत्र में कोई बाहरी व्यक्ति नजर आता है कि सबसे पहले पुलिस को उसके संबंध में संपूर्ण जानकारी एकत्र करते हुए थाने में पूरा उसका वायोडाटा जमा करना चाहिए मगर ऐसा होते हुए दिखाई ही नही पड़ रहा है जिसके चलते क्षेत्र में लगातार अनेक अपराधिक घटनाएं घटित होते हुए दिखाई पड़ रही है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर पिछले कुछ समय से अनेक महिलाएं और बच्चें कटोरानुमा पात्र में आराध्य देवी देवताओ की मूर्तियां रखकर भीख मांगाते हुए दिखाई देने से भी नही चूक रही है जो अपने साथ तीन तीन मासूम बच्चों को रखे हुये उनके भूखा होने के नाम पर लोगों के घरों के दरबाजे या फिर दुकानों के सामने खड़ी हुई आये दिन आने से नही चूक रही है। इस प्रकार से इनका भीख मांगने के इनके इस नये तरीके से आमजन मानस आहत हो रहा है? वही दूसरी ओर आम जनता को भी भावनात्मक एवं धार्मिक रूप से ठेस पहुंचते हुए जान पड़ रही है, जिसका लाभ कतिपय भीख मांगने वाले लोग उठा रहे है। क्योंकि स्थानीय बस स्टैंड तथा नगर के मुख्य बाजारो सहित विभिन्न स्थलों से लेकर नगर की कालोनियों व कुलियों में उक्त महिलाओं और बच्चो का रोजाना जमावड़ा लगा रहता है जो घुम घुमकर दुकानों तथा यात्रियों को मूर्तियां दिखाकर पैसे की मांग करते है। यह सिलसिला पिछले कुछ माहों से बदस्तूर जारी है जो शरीरिक तौर पर तंदरूरत उक्त महिलाओं और बच्चों द्वारा एक ही स्थान पर महीनो से भीख मांगना लोगो को आर्थिक और धार्मिक तौर पर आहत कर रहा है। अक्सर देखा जाता है कि इन लोगों द्वारा देवी देवताओं की आड़ में शहरों से लेकर गांवो में घुम घुमकर जिस तरह से भीख मांगने का कार्य किया जा रहा है, उससे जहां आम लोग परेशान तो हो ही रहे है साथ ही साथ नगर की सुरक्षा पर भी सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि नगर में पूर्व के समय में घटित हुई घटनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से नगर की नई गल्ला मंडी बैक से पैसों से भरा हुआ बैग गायब हुआ था उसमें भी एक नाबांलिग लकड़ा के शामिल होने की सच्चाइर सामने आयी थी, इसके आलवा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में शादी समारोहों में घटित हुई अनेक चोरी की घटनाओं में भी गुप्त केमरों में इस प्रकार से नाबांलिग बच्चों की फोटो सामने आ चुकी है? मगर इसके बाद भी पुलिस की उदासीनता जिस प्रकार से देखी जा रही है वह निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजगार करने से नही चूक पा रही है?

जनशिक्षा केंद्र चीचली में प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद पंचायत चीचली के जन शिक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में बडे ही उल्लास के साथ नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटैल द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संबंध में असाक्षरों के सर्वे, सामाजिक चेतना करने के संचालन, शाला संचालन के विभिन्न बिंदुओं यथा पुस्तक रिसीविंग, वितरण, ऑनलाइन एंट्री, वृक्षारोपण, पीएम पोषण आहार एमडीएम भोजन के दैनिक एवं मासिक मैसेज करने संबंधी विस्तृत दिशा निर्देश दिये गये। वही उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के जन शिक्षा केंद्र के नवभारत साक्षरता के समन्वयक सत्यम ताम्रकार द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। उनके द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना, साक्षरता दर, कार्यक्रम उद्देश्य, लक्ष्य, क्रियान्वयन, सामाजिक चेतना केंद्रों के संचालन, चेतना केंद्रों की मॉनिटरिंग, अक्षर साथी का रजिस्ट्रेशन, अक्षर साथी के कार्य मे सहयोग, बाल पोथी, पठन पाठन सामग्री का उपयोग, वातावरण निर्माण, बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा, अन्य विभागों से प्राप्त होने वाले सहयोग तथा राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में जनशिक्षाकेंद्र के सभी प्राथमिक, माध्यमिक, एकीकृत शालाओं के प्रधानपाठकों एवं नगर परिषद चीचली के सभी वार्ड प्रभारियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दी। यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक नरसिंहपुर के मार्गदर्शन तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी चीचली के निर्देशन में संपन्न हुआ।

मिलावटी ईधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है, क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहन पकड़कर मात्र औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है,नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है,जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आसपास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक,डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोंग किया जाता है,उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतः उनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है,चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व हृदय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

मुख्य सड़क से लेकर नर्मदा पुल पर पशुओं का डेरा, मिल रहा है बड़ी घटना का खुला संकेत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। पशु मालिको की मनमानी व प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है कि इस जहां तहां घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से आमजन के लिये बड़ी घटना का संकेत बनने से नही चूक पा रहे है, क्योंकि यह पशु जहां प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के मार्गो पर अपना डेरा जमाये हुये पूरे मार्ग को अवरूद्ध करने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर समीपस्थ झिकोली नर्मदा पुल के बीचों बीच बैठने वाले पशुओं से किसी दिन कोई बड़ी घटना का संकेत मिलने से नही चूक पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि मुख्य मार्गो पर बैठने वाहन इन पशुओं के चलते जहां वाहन चालक दुर्घटना की शिकार होना जहां आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बगैर रैलिंग वाले नर्मदा पुल पर इस समय पशुओं का डेरा जमा हो रहा है उसके चलते आम लोगों के साथ साथ पशुओं के जीवन के लिये भी बड़ा खतरा पैदा हो रहा है, जब पुल के बीचों बीच पशुओं का डेरा होता है उस दौरान वाहन चालको का निकलना मुश्किल हो जाता है क्योंकि उन्हें इस बात की दहशत होती है कि ऐसा न हो कि जब वह अपना वाहन निकाल रहे हो उसी दौरान कोई पशुअ आपस में डलते हुये वाहन पर न गिर जावे यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर से रैलिंग विहीन पुल के चलते वाहन चालक अपने वाहन सहित सीधे नर्मदाजी में गिरने से नही बच पायेगा, वही दूसरी ओर इस प्रकार से पुल के ऊपर पशुओं का जमावड़ा लगा रहने के कारण मूक पशुओं के जीवन को भी पूरा पूरा खतरा पैदा होने से नही बच पा रहा है क्योंकि पशुओं के आपस में लड़ने की स्थिति में निश्चित तौर से पशुओं का नर्मदा में गिरने से बच पाना भी मुश्किल हो रहा है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सांईखेड़ा उदयपुरा मार्ग प्रदेश स्तर का मार्ग माना जाता है जिस प्रकार दिन रात हजारों की संख्या में वाहनों का निकलना बना रहता है, मगर इसके बाद भी इस मार्ग पर पशुओं का डेरा होने के कारण निश्चित ही यह मार बड़ी घटना को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है।

कम्प्यूटीकृत बैंकों में हो रहा कछुआ गति से काम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कम्प्यूटर युग के बावजूद भी बैंको मे राशि जमा करने व निकालने के लिये अगर एक दो घण्टे का समय लगें, लंबी लंबी कतारें खत्म न हो तो हमे 21 वीं सदी मे आधुनिकता की चादर ओढ़ने का गर्व नही करना चाहिए। नगर मे स्थित राष्टीयकृत बैंकों मे जिन ग्राहकों को पैसा जमा करने, ड्राप्ट बनवानें, शासकीय राशि जमा करने पहुंचते है तो उन्हे लंबी लाइन मे खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। बैंको मे नोट गिनने की मशीन होने के बावजूद भी अन्य लिखा पढ़ी मे काफी विलंब होता है, जिससे ग्राहकों मे बैको की कार्यप्रणाली से परेशानी बढ़ी है, नगर सहित क्षेत्र के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राष्टीयकृत बैंक मे शासकीय राशि, चालान आदि पटाने में लोगो को भारी मशक्कत करनी पड़ती है, एक काम के लिये ही यहां पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, जिससे लोगों के काम धाम पिछड़ते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस बैंक में कार्यरत कर्मियों के परिचतों के कार्य पहले निपटानें का भी चलन तेजी लिये हुए है। संबंधित बैंक अधिकाारियों को चाहिए कि उपभोक्ताओं के काम आसानी से और कम समय पर निपटे ऐसी व्यवस्था बैंक मे बनाये, किंतु अधिकारी है कि कुर्सी पर चिपके रहते हुए देखा जाता है, उन्हें बैंकों मे काम किस गति से हो रहा है व उपभोक्ताओं की क्या परेशानी हो रही है, शायद इससे किसी को कोई सरोकार नही है? मगर देखा जाता है कि यहां प्रमुख बैंकों में वर्षो से पदस्थ कुछ कर्मी अपनी डियूटी के समय चायपान की दुकानों के साथ साथ लोंग लता का स्वाद लेते हुए ज्यादा नजर आते है? इस प्रकार से बैक अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी से परेशान उपभोक्ता जब बैंक प्रमुख से विलंब होने की बात कहते है तो वे उन्हे बैंक में फसाद करने का उल्टा उल्हाना देने से नही चूकते है? इस प्रकार से बैंकों में उपभोक्ताओं को राशि निकालने व जमा करने के लिये पर्याप्त खिड़की है किंतु स्टाफ की कमी के कारण गिनी चुनी खिडकियों मे ही काम होता है, जहां पर लंबी लंबी कतारें लगी रहती है, शासकीय चालान जमा करने वालो को भी घंटों लंबी कतारों मे खड़ा होना पड़ रहा है, एक बैंक मे तो आये दिन पासवर्ड के कारण कम्प्यूटर चालू नही हो पाता जिसके ग्राहक देर तक भुगतान पाने खड़े रहते है, बैंको का कम्पूयटरीकृत होने के ढोल तो पीटे जाते है किंतु बैंको मे काम काज धीमी गति से हो रहा है लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है, यदि ग्राहक विलंब के लिए कुछ कहते है तो बैंक कर्मी व अधिकारी आपे से बाहर हो जाते है।

खबर संक्षेप

सिंगल क्लिक के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का राशि का अंतरण

डिंडौरी। डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में 05 जुलाई 2024 को जिला टीकमगढ़ के ग्राम छिपरी से शाम 4 बजे लाडली बहना योजना के हितग्राही, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना एवं उज्वला योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं एक मुफ्त सहायता राशि का वितरण मुख्यमंत्री के द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। जिसमें उसी के अंतर्गत डिंडौरी जिले के भी हितग्राहियों को लाडली बहना योजना की जुलाई 2024 की राशि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना 2024-25 की प्रथम किस्त एवं उज्वला योजना माह मार्च 2024 के देय गैस रिफिल अनुदान राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों जून 2024 की किस्त का अंतरण किया जाएगा।

आज मुख्यमंत्री करेंगे योजनाओं के किस्त का वितरण

अनूपपुर। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत वर्ष में कुल राशि रुपए 6 हजार रूपये तीन समान किस्तों में प्रदान किए जाते है। हितग्राही परिवारों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2024-25 की प्रथम किश्त किस्त का वितरण मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा आज जिला टीकमगढ़ से लाडली बहना योजना तथा उज्वला योजना के गैस रीफिल अनुदान के साथ किया जायेगा। इस कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से प्रसारण जिला/ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाऐगा।

जिले में 10 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 10 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षा मापी केन्द्र अनूपपुर में 24.2, कोतमा में 3, जैतहरी में 21.2, वेंकटनगर में 21.8, पुष्पराजगढ़ में 4.6, अमरकंटक में 2 तथा बेनीबारी में 3.1 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वषार्मापी केन्द्र बिजुरी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

रोजगार सहायक नियुक्ति संबंधी शिकायत आवेदनों के निराकरण हेतु बैठक आज

अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत लहरपुर, महुदा, खोलाड़ी के ग्राम रोजगार सहायक के नियुक्ति के संबंध में शिकायत आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय दावा आपत्ति निराकरण समिति की बैठक आज 05 जुलाई को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने समिति के सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम हेतु बैठक आज

अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2024 में सम्पन्न होने वाले निर्वाचनों हेतु मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। यह कार्यक्रम 2 जून से आरंभ होकर तीन चरणों में 12 सितम्बर तक अंतिम मतदाता सूची के सार्वजनिक प्रकाशन के साथ सम्पन्न होगा। मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित अधिकारियों के कर्तव्य व पुनरीक्षण के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इस संबंध में आज दोपहर साढे 12 बजे से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ ने इस बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

यातायात नियमों का पालन करनें किया जागरूक

बरही। खितौली पुलिस चौकी प्रभारी केके पटेल ने अपने स्टाफ के साथ खितौली में नए कानून को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। टूव्हीलर फोर व्हीलर थ्री व्हीलर गाड़ियों के चालकों को यातायात नियमों के पालन करने सीट बेल्ट हेलमेट गाड़ियों के बीमा सभी कागज जात रखें समझाइश दी गई।

एजेंसी धारक पर ग्रामीणों ने लगाया योजना का लाभ ना दिलाने का आरोप, कलेक्टर ने उचित कार्यवाही का दिया आश्वासन

बैगाचक क्षेत्र में उज्ज्वला गैस कनेक्शन वितरण के नाम पर फर्जीवाड़ा

डिंडौरी।

बैगाचक के डिंडौरी जिले के बजाग तहसील अंतर्गत पीएम उज्ज्वला योजना में फर्जीवाड़ा होने का मामला प्रकाश में आया है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम उज्ज्वला योजना में फर्जीवाड़ा उजागर होने का मामला जिले के कलेक्टर विकास मिश्रा तक पहुंचने के बाद उन्होंने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

तीस से अधिक महिलाओं को नहीं मिला लाभ

ज्ञात हो कि जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत खरगहना में तीस से ज्यादा उज्ज्वला योजना की हितग्राही गैस कनेक्शन पाने के लिए करीब पांच साल से गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। महिलाओं का कहना है की उज्वला योजना का लाभ दिलाने के बदले में करीब पांच साल पहले उनसे दस्तावेज और अन्य कागजी कार्यवाही पूरी करा ली गई थी लेकिन पांच साल गुजर जाने के बाद भी उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल सका। महिलाओं का कहना यह भी है की योजना का लाभ दिए बिना ही उन्हें सरकारी दस्तावेजों में पीएम उज्वला योजना का हितग्राही बना दिया गया है।

168 महिलाओं की सूची में नाम पर खानापूर्ति के चलते नहीं मिला लाभ

आपको बता दें कि खरगहना ग्राम पंचायत कार्यालय की दीवारों में बड़े बड़े अक्षरों से पीएम उज्वला योजना के 168 हितग्राही महिलाओं की सूची लिखी हुई है जिसमें उन्हें उज्वला योजना का लाभार्थी बताया गया है, जबकि गांव में दो दर्जन से भी ज्यादा महिलाओं को पीएम उज्वला योजना के तहत प्रदाय किए जाने वाले लाभ से कोसों दूर हैं। महिलाओं ने बताया कि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें उज्वला योजना का हितग्राही तो दर्शा दिया है पर उन्हें आज तक योजना का लाभ नहीं मिला है।

पांच साल पहले जमा कराए थे दस्तावेज

महिलाओं ने बताया की करीब पांच साल पहले पास के गांव में पीएम उज्वला योजना का शिविर लगाया गया था जहां उनसे योजना के फार्म भरवाए गए और फिर गैस एजेंसी में आधार कार्ड,समग्र आईडी की कॉपी जमा कराकर केवायसी के लिए थंब भी लगवा लिया गया लेकिन पांच साल गुजर जाने के बाद भी उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पाया। महिलाओं का कहना है की इन पांच सालों में वे अपने गाँव से करीब 15 किलोमीटर दूर गाड़ासरई स्थित गैस एजेंसी में कई बार चक्कर लगाने गए, लेकिन एजेंसी संचालक के द्वारा तरह तरह के बहाने बनाकर वापस लौटा दिया जाता है जिससे हताश होकर अब महिलाओं ने एजेंसी जाना बंद भी कर दिया है। गांव की महिलाओं ने मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन से लेकर जिला प्रशासन से भी की है।

चूल्हा फूंकने को मजबूर दर्जनों महिलाएं

बारिश के मौसम में खरगहना गांव की महिलाएं गीली लकड़ियों को जलाकर धुएं के गुबार में खाना बनाने को मजबूर हैं। जानकारी अनुसार गाड़ासरई में स्थित साहू गैस एजेंसी में पीएम उज्वला में फर्जीवाड़े की जानकारी ली गई तो वहां मौजूद कर्मचारियों से जानकारी लेने पर बताया गया कि आखिर क्यों उज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन नहीं दिए गए तब एजेंसी में कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करने वाले शुभम साहू ने हमें खरगहना गांव के करीब पचास कार्ड दिखाते हुए बताया की ये कार्ड उज्वला योजना के हितग्राहियों के बनकर तैयार हैं लेकिन वे इसे लेने नहीं आ रहे हैं। पांच साल गुजर जाने के बाद भी योजना का लाभ नहीं मिलने के सवाल पर कंप्यूटर ऑपरेटर ने सफाई देते हुए बताया की तकनीकी समस्याओं के कारण खरगहना गांव में कई हितग्राहियों को कनेक्शन का वितरण नहीं किया जाने की बात कर रहे हैं। हालांकि अब एजेंसी संचालक द्वारा जल्द ही खरगहना जाकर महिलाओं को गैस कनेक्शन देने की बात कर रहे हैं।

2 साल पहले भी एजेंसी संचालक पर हो चुकी है एफ आई आर

सर्व विदित हो कि जिस साहू गैस एजेंसी पर पीएम उज्वला योजना में फर्जीवाड़े करने के आरोप लग रहे हैं ये वही एजेंसी है जिसके खिलाफ वर्ष 2022 में भी पीएम उज्वला में फर्जीवाड़ा किये जाने को लेकर खाद्य विभाग के अधिकारीयों ने गाडासरई थाना में प्राथमिकी एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि गाड़ासरई गैस एजेंसी में गैस टंकी की आपूर्ति बाधित रहने समस्या स्थानीय उपभोक्ताओं के माध्यम से आती रही है।

संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ गोपालपुर में किया गया

डिंडौरी। नीति आयोग भारत सरकार के निर्देशन में आंकाक्षी विकासखंडों में आज 04 जुलाई 2024 को संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड करंजिया के ग्राम गोपालपुर में आयोजित किया गया। इसी तरह 05 जुलाई 2024 को विकासखंड बजाग के ग्राम जल्दाबौना, 06 जुलाई को विकासखंड आकांक्षी विकासखंडों में संपूर्णता अभियान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, कृषि, आजीविका मिशन, आयुष विभाग की सेवाएं शत प्रतिशत प्रदाय करने के लिए नीति आयोग भारत सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु भारत सरकार की नीति आयोग से नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।

कार्यक्रम के शुभारंभ में कन्यापूजन एवं सरस्वती मां की चित्र पर जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के द्वारा फूल अर्पित कर शुभारंभ किया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा क्रमशः उद्बोधन दिए गए। अंत में कलेक्टर विकास मिश्रा ने आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी जरूरतमंद आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। जिन ग्रामीण अंचलों में आवागमन के साधन उपलब्ध नहीं हैं वहां पर उसी ग्राम के स्व सहायता समूह के सदस्यों को चार पहिया वाहन उपलब्ध कराकर आपके आने जाने की सुविधा कुछ ग्राम पंचायतों में कराई गई है और कार्यक्रम में सम्मलित लोगों को कहा कि सभी अपने अपने बच्चों को स्कूल में निर्धारित समय पर भेजने का प्रयास करें ताकि शिक्षा में बेहतर सुधार हो सके। कार्यक्रम में लाभान्वित हितग्राही राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन हसनीन बाई, कल्याणी पेंशन योजना से सरस्वती बाई यादव, श्रुति सरिवान, अंबेश्वरी वट्टी, श्रनिया धुर्वे लाडली लक्ष्मी योजना से सविता धुर्वे, सरोज बाई, दुर्गावती एवं खेमलता प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लाभान्वित हुए।

आजीविका मिशन के अंतर्गत सीसीएल वितरण में 99 समूहों को 2क रोड़ 85 लाख 50 हजार रूपये राशि और रिवाल्विंग फंड वितरण के माध्यम से 149 समूहों को 29 लाख 80 हजार रूपये राशि प्रदान किए गए। ग्राम गोपालपुर विकासखंड करंजिया में विभागीय योजना अंतर्गत कृषको को कोदो बीज वितरण किया गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा राहुल, अनारकली, काशीराम, भागबली, जवाहर सिंह, बिरसिंह, संतोषी एवं जीरा बाई धुर्वे को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा कुपोषित बच्चे सिद्धार्थ परस्ते, अंबेश्वरी, भूपेंद्र, श्रण्या, जयंती और विद्या मरावी को दादी की पोटली वितरित किया गया।

इसी प्रकार कार्यक्रम में एकीकृत बाल विकास सेवा करंजिया, जनशिक्षा केन्द्र करंजिया, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनपद शिक्षा केन्द्र-समग्र शिक्षा अभियान, मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन, वन विभाग, पीएचई, सामाजिक न्याय विभाग एवं अन्य विभागों के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

जिले के बैगाचक क्षेत्र के दूर दराज ग्रामीण अंचल जो छत्तीसगढ सीमा से लगे हुए ग्राम पंचायत, टोलों में जहां पर आवागमन के साधन उपलब्ध न होने के कारण वहां के लोगों को आने जाने में बहुत समस्या आ रही है। जिन्हें शासन के द्वारा कलेक्टर विकास मिश्रा के प्रयास से कांदा टोला, लदरादादर, ठाडपथरा, नीमटोला एवं किन्दरा बहरा गांव में संचालित स्व सहायता समूह को गांव में आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पिकप, तूफान, टेम्पो एवं टेक्सी वाहन शासन की तरफ से निःशुल्क प्रदाय किया गया। साथ ही सोनतीरथ, पांडपुर ग्रामों में ईको वाहन, कांदा टोला एवं दोमुहानी गांव में ऑटो टेक्सी वाहन उपलब्ध कराई।

संपूर्णता अभियान कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि गीता पट्टा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत करंजिया, जनपद सदस्य मधुबन सिंह, राजू सिंह, श्रीमति एकता मरकाम, सरपंच संतोष बाई मरकाम बाहरपुर, बिरझी बाई ठाडपथरा, रोशनी कुशराम गोपालपुर, सूनी बाई धुर्वे, मालती पेंद्रो चैरा दादर, अमर सिंह परस्ते भूसण्डा, संपत सिंह धुर्वे जुगदई, जनपद सीईओ करंजिया महेन्द्र बोरकर, बीएमओ करंजिया डॉ. सूरज उददे ,जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनोज उरैती, डॉ. समीक्षा सिंह, डॉ. गायत्री श्याम, बीआरसी अजय राय, परियोजना अधिकारी रामजीवन वर्मा, परियोजना अधिकारी नीतू तिलगाम, पीएचई एसडीओ मनोज उपाध्याय, डीपीएम मीना परते, तहसीलदार महेन्द्र बट्टे, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार सहित कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, जनपद पंचायत, पीएचई, सामाजिक न्याय विभाग एवं अन्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

विशिष्ट आवासीय विद्यालयों के परीक्षा परिणाम में परिवार संस्था के 52 आदिवासी बच्चे चयनित

डिंडौरी। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु हुई परीक्षा के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। इन परीक्षा परिणामों में 'परिवार' संस्था द्वारा डिंडोरी जिले में संचालित सेवा कुटीरों में अध्ययनरत 52 आदिवासी बच्चों का चयन हुआ। ये बच्चे जिले के एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर तथा आदर्श विद्यालयों में रहकर आगे की पढ़ाई करेंगे। परिवार संस्था के द्वारा इन बच्चों को इस प्रवेश परीक्षा के लिए विशेष रूप से तैयारी करवाई गई तथा परीक्षा के लिए आवेदन

करने से लेकर परीक्षा देने तक बच्चों तथा उनके परिजनों का सहयोग किया गया। संस्था द्वारा इन चयनित बच्चों के संबंधित विद्यालयों में प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेज एकत्रित करवाने तथा विद्यालय जाकर प्रवेश सुनिश्चित करने का कार्य आरम्भ कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि परिवार (.चंतपअंत.वतह) एक समाजसेवी संस्था है, जिसकी स्थापना आईआईटी-आईआईएम से शिक्षित विनायक लोहानी द्वारा वर्ष 2003 में की गई थी। संस्था द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में शिक्षा, पोषण तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। डिंडोरी जिले में संस्था द्वारा 60 गाँवों में सेवा कुटीर के माध्यम से बच्चों को निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा पोषणयुक्त आहार दिया जा रहा है। संस्था द्वारा जिले में 6 निशुल्क एम्बुलेंस तथा 2 निशुल्क मोबाइल मेडिकल क्लिनिक संचालित किए जा रहे हैं तथा नेत्र शिविर के माध्यम से लोगों की आँखों के निशुल्क ऑपरेशन भी किए जा रहे हैं।

शहर के अंदर भारी वाहनों का प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक प्रतिबंधित

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जारी किया आदेश शहर के अंदर भारी वाहनों को प्रातः 09.00 बजे से रात्रि को 09.00 बजे तक प्रवेश प्रतिबंधित किया गया। जन सामान्य के जानमाल की सुरक्षा एवं नगर में यातायात दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किये जाने के उद्देश्य से। डिण्डौरी नगर में शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी से डिण्डौरी शहर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग से मण्डला बस स्टैण्ड डिण्डौरी तथा समनापुर तिराहा डिण्डौरी तक इसी प्रकार समनापुर तिराहा डिण्डौरी एवं मण्डला बस स्टैण्ड से शहर की ओर आने वाले मुख्य मार्ग से चन्द्रविजय महाविद्यालय तिराहा तक भारी वाहनों का नगर प्रवेश सुबह 09.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान भारी वाहनों द्वारा अन्य स्थानों पर आने जाने हेतु बाईपास मार्ग उपयोग किया जावेगा। इसी तरह सिविल लाईन डिण्डौरी, जिला चिकित्सालय परिसर, जिला एवं सत्र न्यायालय एवं समस्त शासकीय विद्यालय परिसर ऐरिया को नो हार्न क्षेत्र घोषित किया जाता है। इन क्षेत्रों में लापरवारी करने वाले वाहन मालिकों/चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 जुलाई को बहनों के खाते में गैस रिफिल अनुदान राशि का अंतरण करेंगे

डिंडौरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 05 जुलाई 2024 को टीकमगढ़ जिले में आयोजित कार्यक्रम से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के गैस रिफिल अनुदान के तहत बहनों के खाते में अनुदान राशि का अंतरण करेंगे। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य शाखा ने बताया कि डिंडौरी जिले में प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के तहत 13341 गैस कनेक्शन रिफिल हुए है तथा 601 लाडली बहना योजना के गैस कनेक्शन रिफिल हुए है। इस प्रकार से कुल 13942 रिफिल प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के हितग्राहियो द्वारा अपने घरेलु उपयोग के लिए गैस एजेंसियो से सिलेंडर रिफिल कराये गए है। जिसकी कुल सब्सिडी राशि 21.61 लाख रूपये है। उन्होंने डिंडोरी जिले के समस्त प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना तथा गैर प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना अर्थात लाडली बहना योजना के हितग्रहियो से प्रतिमाह सम्बंधित गैस एजेंसियो से अपने सिलेंडर रिफिल करा सब्सिडी योजना का लाभ लेने की अपील की है। वे उपभोक्ता परिवार जिन्होंने अभी तक प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के निःशुल्क गैस कनेक्शन एजेंसियो से नहीं लिए है वे गैस एजेंसियो में जाकर फार्म एवं आवश्यक दस्तावेज जमा कर गैस कनेक्शन के लिए फार्म को ऑनलाइन करें, ताकि उन्हें भविष्य में प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना का लाभ मिल सके। फार्म भरने की समस्त कार्यवाही गैस एजेंसियो के माध्यम से निःशुल्क कराई जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा कराया जा रहा 54 आँगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण

आसान होगी बच्चों की खेल-खेल में शिक्षा तथा सुविधाएं

अनूपपुर। खेल-खेल में पूर्व प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्रों का उद्देश्य बच्चों का मानसिक विकास करना है, जिससे वह प्राथमिक स्कूल में बेहतर तरीके से शिक्षा प्राप्त कर सकें। जिले के सभी स्वीकृत आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन शासकीय भवन में संचालित करने के उद्देश्य से जिला अंतर्गत 54 आँगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण जिला प्रशासन द्वारा कराया जा रहा है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा स्वीकृत 54 आँगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य की सघन मॉनीटरिंग की जा रही है।

आँगनबाड़ी केन्द्र के अपने भवन होने से बच्चों को सुविधाएं तो होगी ही साथ ही बच्चों को पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच आदि की सुविधाएं आसान होगी। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले के नवनिर्मित आँगनबाड़ी केन्द्रों को बेबी फ्रेन्डली बनाए जाने के निर्देश दिए हैं, जिसके अनुरूप आँगनबाड़ी भवन को आकर्षक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे आँगनबाड़ी केन्द्र में सरलता से उपस्थित हों। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अभिसरण से राज्य आयोजना मद अंतर्गत 31, प्रधानमंत्री आदर्श आँगनबाड़ी केन्द्र के तहत 2, प्रधानमंत्री जन-मन कार्यक्रम अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीव्हीटीजी) क्षेत्र में 7, जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश द्वारा 8 तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 6 आँगनबाड़ी केन्द्र भवनों की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत इन आँगनबाड़ी केन्द्रों में 9 के निर्माण कार्य पूर्ण हो गए हैं। वही शेष स्वीकृत आँगनबाड़ियों के कार्य प्रगतिरत है। निमार्णाधीन आँगनबाड़ी केन्द्रों की कलेक्टर एवं जिपं. सीईओ द्वारा समय-समय पर समीक्षा की जा रही है, जिससे कार्यों की समय पर पूर्णता हो सके।

खबर संक्षेप

डाक्टर्स डे पर जीवन रक्षकों का किया सम्मान

नरसिंहपुर। वीरांगना क्लब ने गणेश मंदिर मे लगे आई टेस्ट कैम्प मे झोतेस्वर के आंखो के हास्पिटल से आई डाक्टर्स की टीम का सम्मान कर डाक्टर्स डे मनाया। क्लब के सहयोग उपस्थित क्लब मेंबर्स ने सभी डाक्टर्स का स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया। कैम्प मे 150 मरीजो ने लाभ अर्जित किया।उपस्थित रही एरिया आफिसर लीनेस अर्चना राय, अध्यक्ष लीनेस पूनम जैन, संरक्षक लीनेस शोभापाल, उपाध्यक्ष लीनेस सीमा स्थापक, द्वितीय उपाध्यक्ष लीनेस सविता महोविया आदि मौजूद रही।

जहरीली दवा के सेवन से वृद्धा की मौत

नरसिंहपुर। ठेमी थाना अंतर्गत बौछार निवासी मालती बाई पति तेजलाल लोधी उम्र 60 वर्ष ने अपने ही घर मे जहरीली दवा का सेवन कर लिया था जिससे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया था जहां उपचार के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया वही शव को शवगृह में रखवाया गया वही परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक महिला पेट दर्द की समस्या से परेशान थी इस कारण उसने जहरीली दवा का सेवन कर लिया था। वही अस्पताल चैकी पुलिस शव का पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा।

मारपीट के दो आरोपियों को सजा

नरसिंहपुर । न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रसन्न सिंह के न्यायालय द्वारा गाली गलौज कर मारपीट करने के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुये आरोपीगण अनंदी पटेल आत्मज लाल सिंह लोधी उम्र 47 वर्ष निवासी खापा बड़गुहार, थाना ठेमी नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर को भादवि की धारा 324/34 के तहत 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये अर्थ दंड से एवं देवलाल आत्मज धनसिंह लोधी, उम्र 40 वर्ष, निवासी खापा बड़गुहार, थाना ठेमी नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर को 324 भा.दं.स. के तहत 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये अर्थदंड, व धारा 325 भा.दंसं. में 02 वर्ष का सश्रम कारावास व 1000 रूपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण कार्यक्रम आज

नरसिंहपुर । मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2024- 25 की प्रथम किश्त का वितरण मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा 5 जुलाई 2024 को जिला टीकमगढ़ से लाड़ली बहना योजना तथा उज्जवला योजना के गैस रिफिल अनुदान के साथ किया जायेगा। हितग्राही परिवारों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत यह राशि वर्ष में कुल 6 हजार रुपये की तीन समान किस्तों में दी जाती है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने निर्देश दिये कि जिला स्तरीय कार्यक्रम अनुविभागीय राजस्व अधिकारी आयोजित करेंगे एवं ब्लाक स्तर पर सभी तहसीलदार नायब तहसीलदार कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

गोधन सिंह बने तहसील अध्यक्ष

नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ की तहसील कार्यकारिणी की गठन प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसान नेता गोधन सिंह लोधी को नरसिंहपुर तहसील का अध्यक्ष चुना गया है। उनकी नियुक्ति पर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

विभागवार पौधे रोपने का सौंपा दायित्व

एक पेड़ मां के नाम अभियान में हो जन सहभागिता: कलेक्टर

जिले में वृहद वृक्षारोपण का अभियान चलेगा

नरसिंहपुर । एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण के संबंध में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह अभियान एक जुलाई से प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत नरसिंहपुर जिले को 10 लाख 74 हजार 450 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए विभागों को पौधारोपण करने के दायित्व सौंपे गये हैं।

विभागवार सौंपी जिम्मेदारी

कलेक्टर श्रीमती पटले ने विभागवार अधिकारियों से चर्चा कर पौधरोपण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लक्षित पौधरोपण के अंतर्गत प्रत्येक दिन 15 हजार पौधे नरसिंहपुर जिले में रोपित किये जायेंगे। इसके लिए उन्होंने निर्देशित किया कि विभाग पहले से ही पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। उन्हें लगाने के स्थान का चयन, गड्ढे, ट्रीगार्ड आदि की तैयारी कर लें। नगरीय निकायों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा निकायों की कॉलोनियों में भी पौधरोपण के लिए निवासियों को प्रेरित किया जा रहा है। सिटी फॉरेस्ट तैयार करने के लिए भी प्रोजेक्ट वन विभाग को तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया। इसी तरह सभी सीईओ जनपद को निर्देशित किया कि वे अभियान में स्थानीय समुदाय, आमजनों की सक्रिय सहभागिता की जाए। उन्हें आमंत्रित कर उनके द्वारा पौधरोपण कराया जाए। पौधरोपण के लक्ष्य निर्धारित कर सामाजिक संस्थाओं से समन्वय कर पौधरोपण कराएं। ऐसे सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूल, आंगनबाड़ी जहां बाउंड्रीवॉल हैं, अपने परिसर में पौधरोपण करें।

पौधों को रोपने बाद हो सुरक्षा

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि पौधरोपण का अभियान केवल सरकारी अभियान न होकर आमजन को जोड़कर चलने वाला अभियान बनाया जाए। जिले के सामाजिक संगठनों, स्थानीय समुदाय और आमजनों की इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित की जाये। एक पेड़ मां के नाम अभियान में इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए कि पौधे कम से कम तीन फीट हाईट के हो। साथ ही उन्हें लगाये जाने वाले गड्ढे डेढ़ फिट के हों। हमें केवल पौधरोपण ही नहीं बल्कि रोपे गए पौधों की देखभाल की भी जिम्मेदारी लेनी होगी।

वायुदूत एप में करनी होगी फोटो अपलोड

कलेक्टर श्रीमती पटले ने बेहतर कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह अपील की है कि इस अभियान में प्रत्येक नागरिक भी अपने घरों में कम से कम एक पौधा लगायें एवं अन्य लोगों को प्रेरित करें। पौधरोपण के दौरान अपने परिजन के साथ फोटो सेल्फी लें। पौधरोपण की फोटो वायुदूत एप पर अपलोड की जायेगी।

वन विभाग रोपेगा 4 लाख पौधे

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कलेक्टर ने विभिन्न विभागों को पौधरोपण के लिए लक्ष्य दिये गये हैं। इनमें वन विभाग को 4 लाख, नगरीय प्रशासन विभाग को एक लाख, एनटीपीसी को दो लाख, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को 60 हजार, रेशम विभाग को 50 हजार, पुलिस, राजस्व, कृषि, उद्यानिकी व चिनकी बोरास को 10- 10 हजार, जनअभियान परिषद को 30 हजार, शिक्षा विभाग व नेशनल हाईवे को 20 हजार, एनआरएलएम को 30 हजार, गन्ना विभाग को 40 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया। इसके अलावा विभागों को पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। जिले में इस वृहद पौधरोपण के कार्य की मॉनीटरिंग हेतु जिला समन्वयक जनअभियान परिषद नरसिंहपुर को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एसडीएम मनेन्द्र सिंह सहित अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे। अनुविभागीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

सेवानिवृत्ति पर श्रीमती पटैल को दी विदाई

करेली। नजदीकी ग्राम मेरेगांव के शासकीय प्राथमिक शाला में 32 वर्ष से शासकीय सेवा में पदस्थ श्रीमती सुदामा पटैल का सेवानिवृत्ति हुई जिसमें स्कूली शिक्षकों स्कूली बच्चों सहित ग्राम के वरिष्ठजनों ने भी उत्कृष्ठ कार्य मे समर्पित प्रधानपाठक श्रीमती पटैल को सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह किया गया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षको ने उनके कार्यकाल और अनुशासन की काफी प्रशंसा की वही बच्चो से उनके लगाव और उनकी दी हुई शिक्षा से निखरे बच्चो को बेहतर नागरिक बनने को आदर्श बताया। मंचीय कार्यक्रम उपरांत बच्चो ने मार्गदर्शन के लिये सेवानिवृत्त शिक्षिका से स्कूल आते रहने का अनुरोध भी किया। कार्यक्रम में साथी शिक्षक धर्मेंद्र जाटव सतीश पटैल गायत्री रजक उर्मिला कोल राजश्री उपाध्याय सहित वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

नंदी को राष्ट्रपिता घोषित करने की मांग

नरसिंहपुर। जिले में दंडवत नर्मदा परिक्रमा का संकल्प लेने वाले संत आशुतोष महाराज ने गाय को राष्ट्रमाता और नंदी को राष्ट्रपिता घोषित करने के लिए प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को मांग पत्र सौंपा है। संत आशुतोष ने कहा कि जब तक गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा नहीं दिया जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। देश के चारों शंकराचार्य द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग वर्षों से उठाई जा रही है। उन्हीं का अनुसरण करते हुए शिष्य मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय गौ रक्षा संघ से जुड़े संत आशुतोष महाराज ने दंडवत होते हुए नरसिंहपुर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम मांग पत्र दिया और कहा कि आजादी के समय से ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग उठाई जा रही है। यहां तक कि देश के चारों शंकराचार्य ने भी राष्ट्र को गौ माता का दर्जा दिया हुआ है और उनकी ही प्रेरणा से आशुतोष महाराज ने संकल्प उठाते हुए दंडवत यात्रा शुरू की है। उनका कहना है कि न केवल गाय को राष्ट्र माता घोषित किया जाए बल्कि नंदी महाराज को भी राष्ट्रपिता देश के प्रधानमंत्री घोषित करें। संत आशुतोष ने कहा कि वह अपने संकल्प पर तब तक अडिग रहेंगे, जब तक की गौ रक्षा के लिए गाय को राष्ट्र माता और नंदी को राष्ट्रपिता घोषित नहीं किया जाता।

कलेक्टर ने किया करेली नगर पालिका का निरीक्षण

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बुधवार को नगर पालिका परिषद करेली का निरीक्षण किया। उन्होंने कायाकल्प अभियान के अंतर्गत निर्मित रोड का निरीक्षण किया। साथ ही गणेश वार्ड में स्थित नाला का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने नगर पालिका अमले को निर्देशित किया कि शहर में जल भराव की स्थिति निर्मित न हो। इसके लिए शुरू से ही नदी- नालों की साफ- सफाई, अतिक्रमण हटाने का कार्य किया जाये।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने नगर पालिका करेली में पहुंचकर अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण- 2024 संबंधित गाइडलाइन के अनुसार नगर पालिका करेली की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वच्छता के मापदंडों के अनुरूप नगरीय निकाय को बेहतर रैंकिंग दिलाने का प्रयास किया जाये। उन्होंने राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश दिये। नगर पालिका परिषद करेली के अंतर्गत स्थित बस स्टेंड के निर्माण कार्य संबंधी निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों से भी नगर के विकास कार्य के लिए चर्चा की।

मूंग की समर्थन मूल्य खरीदी नीति को लेकर सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर । गत दिवस भारतीय किसान संघ द्वारा किसानों की समस्याओं तथा शासन द्वारा वर्तमान में जो ग्रीष्म, कालीन मूंग की समर्थन मूल्य की खरीदी की नीति जारी की जिसमें 2023 की तुलना में जबकि गत वर्ष प्रति हेक्टर

16 क्विंटल. खरीदी की गई थी वही नई नीति 2024-25 इसे घटाकर 8 क्विंटल प्रति हेक्टर कर दिया गया है जो कि प्रदेश का भी हास है। निवेदन है कि गत वर्ष की भांति जिलावार तय माप दण्डो के अनुसार खरीदी की जाय। वर्तमान मूंग खरीदी में किसानों का तौल भी बड़े प्लेट काटों से किया जाये जिस तरह से व्यापारी एव वेयर हाउस मालिको की उपज का तौल बडे काटो से किया जाता है। वर्तमान नीति में प्रत्येक किसान से 25 क्विंटल, खरीदी को बढाकर 40 क्विंटल की जाए जिससे किसान को बार-बार खरीदी केन्द्र पर नहीं आना पड़ेगा ट्राली की क्षमता 40 क्विंटल की है जिसमें किसान को अतिरिक्त खर्च से भी बचत होगी उक्त मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया उक्त मौके पर कमल पटेल , विष्णु प्रसाद, रिषिराज , मुकेश पटेल आदि मौजूद रहे ।

डेंगू प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नरसिंहपुर। डेंगू निरोधक माह जुलाई- 2024 के अंतर्गत डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया के प्रति जन- जागरूकता के उद्देश्य से डेंगू प्रचार रथ को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कार्यालय चिकित्सालय का स्टाफ और अन्य कर्मचारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। मानसून के प्रारंभ के साथ ही मच्छरो के उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण डेंगू एवं अन्य वाहक जनित रोग जन्य परिस्थितियां निर्मित हो जाती है। मच्छर जन्य रोग डेंगू एवं चिकुनगुनिया के प्रति जनजागरूकता के लिए जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। सम्पूर्ण माह में मच्छरों की पैदावार एवं डेंगू तथा अन्य वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रचार- प्रसार किया जाता है। जिले में डेंगू माह के दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसमें अंतरविभागीय एडवोकेसी कार्यशाला, यथा सेक्टर एवं पंचायत स्तर पर एडवोकेसी सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। इनमें ग्राम स्वास्थ्य एवं तदर्थ समिति की बैठक आयोजित कर मच्छर जन्य परिस्थितियों के उन्मूलन के लिए प्रयास किये जायेंगे। साथ ही डेंगू, मलेरिया चिकुनगुनिया नियंत्रण के लिए वृहद प्रचार- प्रसार कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। यह प्रचार रथ जिले की सभी 6 विकासखंडों के प्रमुख हाट बाजारों एवं डेंगू प्रभावित ग्रामों में डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया एवं अन्य वाहक जनित रोगों के प्रति प्रचार- प्रसार करेगा। डेंगू, चिकुनगुनिया के वाहक एडीज मच्छर साफ पानी में पैदा होता है, अतः इसकी पैदावार को रोकने के लिए उपाय करने संबंधी संदेश देगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि सभी पानी की टंकियों को ढक कर रखें तथा इनमें मच्छर का प्रवेश न होने दे। सभी कंटेनर, कूलर, पक्षी के पानी पीने का बर्तन, फूलदार, गमलों, मनीप्लांट आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य खाली कर सूखा कर पुनरू उपयोग में लें। शौचालय की टंकी, मटका आदि की नियमित सफाई की जाये। सायंकाल नीम की पत्ती का धुआं तथा मच्छरदानी का उपयोग कर मच्छर के काटने से बचने के लिए उपाय किये जा सकते हैं।

सुविधा की दृष्टि से अलग निर्माण की मांग

मानवीय मूल्यों को नजरंदाज कर बना है अंडर ब्रिज

तेंदूखेड़ा- राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के बीच तेंदूखेड़ा में मानवीय मूल्यों को नजरंदाज करते हुए एन एच आई के द्वारा जो एक मात्र अंडरब्रिज बनाया गया है वह काफी नहीं है। बल्कि जिस स्थान पर यह ब्रिज बनाया जाना था वहां ना बनने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यह बनीं हुई है कि जिस स्थान से कन्या बालक उच्चतर और शिशु मंदिर के लिए छात्र छात्राओं खेल ग्राउंड के लिए युवाओं और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस थाने कृषकों के लिए खाद बीज की दुकान सोसायटी राजस्व से संबंधित काम काज के लिए तहसील कार्यालय लोकसेवा केंद्र जाने आने के लिए रास्ता ही नहीं बनाया गया है। काफी लंबी दूरी को तय करके केवल एक ही यह ब्रिज बनाया गया है जिसमें भारी बाहनों के बीच छात्रों को आवागमन में परेशानी हुआ करती है। इतना ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे दूरी के मान से इसी मुख्य सड़क से भारी बाहनों के बीच आवागमन किया करतें हैं। बीच बीच में एन एच आई के अधिकारियों को इस विषय से अवगत भी कराया गया है लेकिन आज तक कोई उचित पहल नहीं हुई है।

अलग अंडरब्रिज बनाये जाये

अन्य राजमार्गों पर सुविधा की दृष्टि से जब अलग-अलग स्थानों पर अंडरब्रिज बनाये जा रहे हैं तो फिर तेंदूखेड़ा के साथ भेदभाव क्यों। समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व में यहां के जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी एन एच आई के अधिकारियों तथा केंद्रीय मंत्रालय परिवहन विभाग को भी लिखित में आवेदन भी किया था लेकिन आज तक इस दिशा में कोई उचित कार्यवाही नहीं हो पाई है। जबलपुर पहुंचे परिवहन मंत्री महोदय को भी इस संबंध में लिखित रूप से दिया गया था उस पर भी कोई गौर नहीं किया गया। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के लोगों ने मानवीय मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए तेंदूखेड़ा में अनूकूल स्थान पर अंडरब्रिज बनाये जाने की मांग की है।

इनका कहना है

यह विषय काफी संवेदनशील है मानवीय मूल्यों से जुड़ा हुआ विषय है। सुरक्षा के साथ आवागमन को लेकर सुविधा की दृष्टि से यहां पर अंडरब्रिज होना नितांत आवश्यक है पूर्व में भी इस विषय को लेकर एन एच आई के अधिकारियों को मौके पर ले जाकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया था। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई उचित पहल नहीं की गई।

संतोष पटेल वरिष्ठ पार्षद एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष

सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का पर्याय एनसीसी प्रशिक्षण

नरसिंहपुर । युवा छात्र सैनिक के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का पर्याय एनसीसी प्रशिक्षण हैं जिसमें सैन्य प्रशिक्षण के साथ साथ युवाओं को अच्छे और राष्ट्र भक्त नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता हैं। नियमित और आत्मनिर्भर जीवन का प्रशिक्षण देकर नेतृत्य का गुण विकसित किया जाता हैं। उक्ताशय के उद्घार कैम्प कमांडेन्ट कर्नल विवेक बटारा ने 1 मप्र बटालियन एनसीसी जबलपुर द्वारा आयोजित दस दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प गौतेश्वर के दौरान व्यक्त किये। शिविर के तृतीय दिवस गतिविधियों में एनसीसी कैडिट्स ने जहाँ निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पी टी और योग रो दिन की शुरूआत की वहीं ड्रिल में मेहनत कर पसीना बहाया। कक्षाओं ने मानचित्र अध्ययन, युद्ध तथा क्षेत्र कला और हथियार प्रशिक्षण की बारिकियों को सीखा। खेल के मैदान ने खो-खो, कब्बडी वालीबाल और फुटबाल में उत्साहपूर्वक भागीदारी सुनिश्चित की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और ओ एग आर शीट जैसे महत्वपूर्ण विषयो पर व्यख्यान आयोजित किये गये। वही थाग को सांस्कृतिक राध्या के माध्यम से नृत्य एव गीत गायन का अभ्यास कर प्रतिभाओं को पंच प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि जबलपुर ग्रुप हेड क्र्वाटर के सभी मुनिट्स के संबंधित महाविद्यालय एवं विधालय के सीनियर डिविजन, सीनियर विंग, जूनियर डिविजन एव जूनियर विंग के कंडेट्स उक्त केम्प में एनसीसी ए. बी और सी सर्टिफिकेट परीक्षाओं हेतु उत्कृष्ट शिखलाई प्राप्त कर रहें हैं।